संतोष जाधव
97633 55727
95959 90200
साँई ट्रेव्हल्स
जेस्ट, इनोवा, टवेरा, झायलो
डिजायर, विस्टा एव सभी प्रकार की
लक्झरी गाड़ियां किराये पर उपलब्ध
मामा चौक, सिविल लाईंस, गोंदिया

साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना
प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**
E-mail : bulandgondia@gmail.com | E-paper : bulandgondia.net | Office Contact No.: 7670079009 | R. No.: MAH-HIN-10169
वर्ष : 1 । अंक : 20 | गोंदिया : गुरुवार, 24 दिसम्बर 2020 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

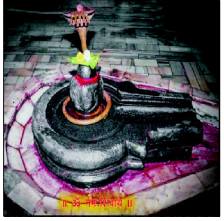

गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत

अतिक्रमण हटाकर किया बेरोजगार, अब दो रोजगार!

शासन की पक्षपातपूर्ण कार्यवाई । हजारों परिवारों पर आर्थिक संकट

नवीन अग्रवाल– गोंदिया शहर के शासकीय कार्यालयों व प्रमुख मार्गों के समीप फुटपाथ के अतिक्रमण को हटाने का कार्य गत सप्ताह प्रशासन द्वारा चलाया गया था जिसमें सैकड़ो फुटपाथ अतिक्रमण हटाए गए फुटपाथ व्यवसायीयों ने इस को शासन की पक्षपातपूर्ण कार्यवाई बताते हुए कहा कि हमें बेरोजगार कर दिया गया है। जिससे शासन अब हमें रोजगार दे इसके चलते सैकड़ो परिवार पर आर्थिक संकट निर्माण हो गया है। गौरतलब है कि गोंदिया शहर अतिक्रमण की गंभीर समस्या हमेशा बनी रहती है। प्रशासन द्वारा समय-समय पर इस समस्या को हल करने के लिए बड़ी-बड़ी घोषणा व अभियान चलाए जाने की तारीख देने के साथ ही पुरे शहर के सभी अतिक्रमणों पर कार्यवाई करने का आदेश देते है। लेकिन कार्यवाई शुरु होने पर फुटपाथ पर अस्थायी अतिक्रमण को हटाने के साथ ही कार्यवाई फिर बंद हो जाती है। गत सप्ताह जिलाधिकारी कड़े निर्देशों के पश्चात नगर परिषद, सार्वजनिक बांधकाम, विद्युत विभाग व पुलिस प्रशासन के संयुक्त अभियान में फुलचुर नाके से मनोहर चौक-जयस्तंभ चौक-आंबेडकर प्रतिमा-नेहरु प्रतिमा, रेस्टहाऊस चौक, मरारटोली टी-पाईंट तक अतिक्रमण हटाया गया लेकिन शहर के अन्य क्षेत्रों में यह कार्यवाई शुरु नहीं हो पाई। उपरोक्त क्षेत्र में गत २५ से ३० वर्षों से छोटी-छोटी दुकान लगाकर सैकड़ों परिवार अपने परिवार चला रहे है। लेकिन शासन द्वारा इतने वर्षों में इसका स्थायी हल नहीं निकाला गया। विशेष यह है कि भंडारा जिले में प्रशासन द्वारा फुटपाथ पर अतिक्रमण कर व्यवसाय करनेवाले लघु व्यवसायीयों के लिए इसका समाधान कर शासन की खाली भूमि पर छोटे ठेले बनाकर दिया है। जिसमें संबंधित व्यवसायी से १ लाख डीपाजिट लेने के साथ ही १ हजार रुपए प्रतिमाह किराया ले रहा है। जिससे शासन को राजस्व मिलने के साथ ही अतिक्रमण की समस्या का स्थायी हल भी किया गया है। उसी प्रकार यदि गोंदिया में भी शासन इस प्रकार की पहल करे तो हटाने के बाद फिर से निर्माण होनेवाली अतिक्रमण की समस्या को खत्म किया जा सकता है।

अतिक्रमण पर कार्यवाई निरंतर

शासकीय इमारतों के समीप बड़े पैमाने पर फुटपाथ पर अतिक्रमण होने से यातायात बाधित होने के साथ ही दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती थी। जिसके चलते नियमानुसार कार्यवाई कर अतिक्रमण हटाया गया तथा शहर के अन्य अतिक्रमणों पर नगर परिषद द्वारा कार्यवाई की जाएगी। जिससे यह अभियान निरंतर चलता रहेंगा।

–सुभाष चौधरी,
उपविभागीय अधिकारी, गोंदिया

शासन करें स्थायी हल

फुटपाथ पर व्यवसाय कर परिवार चलानेवाले लोगो के लिए शासन स्थायी हल निकाले जिससे बार-बार होनेवाली हमपर कार्यवाई को रोका जा सके तथा रोजगार से वंचित भी न हो।

–योगेश सोरते चायवाला

परिवार पर आर्थिक संकट

फुटपाथ पर छोटा सा ठेला लगाकर परिवार का पालन पोषण कर रहे लेकिन इस कार्यवाई के चलते पुरे परिवार पर आर्थिक संकट निर्माण हो गया।

–राजेश चौरसिया पान दुकान

वर्षों से कर रहे रोजगार

जयस्तंभ बस स्थानक के समीप ३५ वर्षों से चप्पल रिपेरिंग की दुकान चलाकर रोजगार कर रहे है। जिसका प्रशासन को टैक्स भी दिया जा रहा है। लेकिन बिना स्थायी समाधान के बार-बार होनेवाली कार्यवाई से संकट निर्माण हो जाता है।

–जगदिश जगने चप्पल रिपेरिंग शॉप

पक्षपातपूर्ण कार्यवाई

प्रशासन द्वारा हमेशा फुटपाथ दुकानदारों के साथ पक्षपातपूर्ण कार्यवाई कर अतिक्रमण हटाया जाता लेकिन पुरे शहर में हजारों पक्के अतिक्रमण हो चुके है। उनपर कार्यवाई क्यों नहीं

–हरीश मेश्राम चश्मा दुकान

८ हजार स्वास्थ्य कर्मियों को लगेगा कोरोना का टीका

गोंदिया– कोरोना महामारी के बचाव हेतु जल्द ही वैक्सीन उपलब्ध हो सकती है तथा इस हेतु जिला प्रशासन ने काम भी करना शुरु कर दिया है। जानकारी के अनुसार प्रथम चरण में जिले के ८ हजार ६३६ स्वास्थ्य कर्मचारियों को कोरोना महामारी का टीका लगाया जाएगा। जिसमें निजी चिकित्सकों का भी समावेश किया गया है। उसी प्रकार टीका लगाने के लिए स्वास्थ्य कर्मियों के नामों की प्रक्रिया भी शुरु कर दी गई है। लेकिन संभ्रम यह बना हुआ है कि आखिरकार कोरोना का टीका आम जनता तक कब पहुंचेगा? उल्लेखनिय है कि कोरोना महामारी से संपूर्ण विश्व दहला हुआ है। प्रतिदिन कोरोना मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। गोंदिया जिले में अब तक १३ हजार ३४७ मरीज पाए गए है। वहीं १७७ मरीजों की मृत्यु हो चुकी है। वैक्सीन जल्द ही उपलब्ध करने का दावा जिला प्रशासन की ओर से किया जा रहा है। जिससे आम जनता की उम्मीद जाग उठी है। लेकिन प्रथम चरण में कोरोना महामारी का टिका जिले के स्वास्थ्य कर्मचारियों व अधिकारियों को लगाया जाएगा। जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार प्रथम चरण में जिले के ८ हजार ६३६ स्वास्थ्य कर्मी एवं डॉक्टरों को कोरोना महामारी का टीका लगाया जाएगा। वहीं जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक, नर्स, आशा सेविकाएं तथा निजी स्वास्थ्य सेवा देनेवाले चिकित्सक एवं कर्मियों को भी अपने नाम ऑनलाइन करने हेतु कहा गया है।

ऑनलाइन होगी प्रक्रिया

कोरोना प्रतिबंधक टीका लगाने के लिए सर्वप्रथम स्वास्थ्य विभाग की साइट पर जाकर ऑनलाइन प्रक्रिया पुरी करनी है। ऑनलाइन प्रक्रिया पूर्ण करनेवाले कर्मचारियों को ही टीका लगाया जाएगा। जिन केंद्रो पर टीका लगाया जाएगा, उस केंद्र पर १०० से अधिक व्यक्तियों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इस तरह के निर्देश स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिए गए है।

–डॉ.नितीन कापसे
जिला स्वास्थ्य अधिकारी, गोंदिया

रेती माफियाओं से १२.५५ लाख रुपए वसूल

गोंदिया– गोंदिया जिले में गत डेढ़ महिने से अवैद्य रुप से रेती परिवहन करनेवालों के खिलाफ कार्यवाई की जा रही है। जिसके चलते अवैद्य रुप से रेती का परिवहन करनेवाले ११ वाहनों पर कार्यवाई करते हुए १२ लाख ५५ हजार १०० रुपए का जुर्माना वसूले जाने की जानकारी तहसीलदार राजेश भांडारकर की ओर से दी गई।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले के रेती घाटों से बड़े पैमाने पर अवैद्य रेती का उत्खन्न माफियाओं द्वारा किया जाता है। जिसे देखते हुए तहसीलदार भांडारकर ने अपने कर्मचारियों को अवैद्य रुप से रेती ले जानेवाले वाहनों के पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया तथा गुप्तचरों के माध्यम से अवैद्य रुप से रेती का उत्खन्न करनेवाले माफियाओं के खिलाफ कार्यवाई करते हुए १२ लाख ५५ हजार १०० रुपए का जुर्माना वसूला गया।

उक्त कार्यवाई के दौरान नवंबर माह में रेती का अवैद्य उत्खनन करनेवाले ६ वाहनों को पकड़ गया तथा ९३ हजार ५०० रुपए का जुर्माना वूसला गया। उसी प्रकार दिसंबर माह के १५ दिनों में ५ वाहनों को पकड़ ४ लाख ६१ हजार ६०० रुपए का जुर्माना वसूला गया। रेती घाटों की निलामी नहीं होने से तथा दुसरी ओर घरकुल योजना के कार्य शुरु होने से घरकुल योजना के आवासों के लिए रेती का इंतजाम कहां से किया जाए इस प्रकार का प्रश्न चिन्ह निर्माण हो रहा है। वहीं रेती माफियाओं द्वारा जरुरतमंदो को रेती की बिक्री कर उनके पास अधिक पैसा वसूला जा रहा है।

राजस्व विभाग के नजर आने पर ही कार्यवाई होती तो है, लेकिन इसके बावजूद माफियाओं द्वारा बड़े पैमाने पर रेती का उत्खन्न कर शासन के राजस्व में सेंध लगाया जाता है।

२५६ जलस्त्रोतों से बुझेंगी वन्यप्राणियों की प्यास

गोंदिया– जिले के नवेगांव- नागझिरा के संरक्षित वन क्षेत्र में वन्यप्राणियों की प्यास बुझाने के लिए २५६ जलस्त्रोतों की व्यवस्था वनविभाग की ओर से की गई है। जिसमें १५६ कृत्रिम जलस्त्रोत, ७८ प्रकृतिक जलस्त्रोत तथा २४ बड़े तालाबों का समावेश है। फिलहाल अभी सभी जलस्त्रोतों में पर्याप्त पानी उपलब्ध होने की जानकारी मिली है। यदि ग्रीष्मकाल में जलसंकट निर्माण हुआ तो कृत्रिम जलस्त्रोत बढ़ाए जाएंगे। इस संदर्भ में मिली जानकारी के अनुसार वर्ष २०१३ में नवेगांव- नागझिरा को व्याघ्र प्रकल्प का दर्जा मिला था। जिसके बाद वन्यजीवों की संरक्षण के लिए वन्यजीव विभाग द्वारा निरंतर कार्य किए जा रहे है। उपरोक्त वनक्षेत्र १२४१ चौ.किमी में बफर क्षेत्र के रुप में घोषित है। इन क्षेत्रों में वन्यजीव व्यवस्थापन भारतीय वन्यजीव संस्था देहरादुन द्वारा जारी दिशानिर्देश के अनुसार प्रत्येक चौ.किमी क्षेत्र के अंतर्गत वन्यजीवों के लिए एक जलस्त्रोत की व्यवस्था होना जरुरी है। जिसके तहत जिले के संरक्षित क्षेत्रों में आवश्यकता के अनुसार जलस्त्रोत उपलब्ध किए गए है। गौरतलब है कि ग्रीष्मकाल में कई बार कृत्रिम एवं प्रकृतिक जलस्त्रोत भीषण गर्मी के चलते सुख जाते है। ऐसी स्थिती में पानी उपलब्ध कराने के लिए विभाग द्वारा हैंडपंप, सोलर पंप की व्यवस्था की जाती है। ग्रीष्मकालीन जलसंकट से निपटने के लिए विभाग द्वारा सभी तैयारियां की जा रही है।

जरुरत पड़ने पर टैंकर से उपलब्ध होंगा पानी

पानी की तलाश में वन्यप्राणियों को भटकना न पड़े तथा उन्हे समय पर पानी उपलब्ध हो इस हेतु विभाग की ओर से पुरा ध्यान दिया जा रहा है। सभी जलस्त्रोतों की सुरक्षा की दृष्टि से नियमित जांच की जाती है। फिलहाल अभी जलस्त्रोतों में भरपुर पानी उपलब्ध है। ग्रीष्मकाल में जलसंकट की स्थिती निर्माण होने पर टैंकर के माध्यम से जलपूर्ति करने की योजना विभाग की ओर से बनाई गई है।

–आर.एम. रामानुजम, क्षेत्रीय संरक्षक
नवेगांव-नागझिरा व्याघ्र प्रकल्प

कोरोना वायरस का नया प्रकार मिलने से मुख्यमंत्री ने दिया सख्ती से जांच करने का आदेश

मुंबई– ब्रिटेन में कोरोना महामारी का पाया गया नया प्रकार का वायरस तेजी से फैल रहा है। इस हेतु मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की ओर से बैठक का आयोजन किया गया। उक्त वायरस का खतरा कुछ दिनों तक बना रह सकता है, इस हेतु राज्य में हाई अलर्ट कर दिया गया है। वहीं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने अंतराष्ट्रीय यात्रियों की सख्ती से जांच करने का आदेश दिया है। साथ ही अन्य देशों से आए नागरिकों की स्वास्थ्य की जांच कर उनके हांथो में पहचान सिल सिक्का मारकर क्वरेंटाईन किया जाएगा। उसी प्रकार राज्य में आयोजित शादी सामरोह में कोरोना महामारी के नियमों का कड़ाई से पालन करने हेतु मुख्यमंत्री द्वारा कहा गया। युरोपीय देश व मध्य पूर्वी देशों की जांच करनेवाले सभी हवाई अड्डों के कर्मचारियों को पीपीई कीट प्रदान करने का निर्देश भी मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया। बैठक में प्रमुख रुप से मुख्य सचिव संजय कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार अजोय मेहता, वित्त विभाग के अप्पर मुख्य सचिव मनोज सौनिक, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव आशिष कुमार सिंह, प्रधान सचिव विकास खारगे, मुंबई महापालिका आयुक्त आय.एस.चहल, मुंबई पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह, स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव डॉ. प्रदीप व्यास, वैद्यकीय शिक्षण विभाग के सचिव सौरव विजय, राज्य टास्क फोर्स के अध्यक्ष डॉ. संजय ओक, सदस्य डॉ. शशांक जोशी, डॉ. अविनाश सुपे, डॉ. राहुल पंडित आदि उपस्थित थे।

सिंचाई क्षेत्र की करें घोषणा

किसानों ने दी आंदोलन की चेतावनी

गोंदिया– बाघ-इटियाडोह के पानी से इस वर्ष लगभग १४ हजार हेक्टेयर में ग्रीष्मकालीन धान उत्पादन के लिए सिंचाई का नियोजन किया गया है। लेकिन इसके बावजूद अब तक सिंचाई वाले क्षेत्रों की घोषणा नहीं की गई है, जिसके चलते किसानों द्वारा सिंचाई विभाग व प्रशासन के खिलाफ रोष व्यक्त किया जा रहा है। वहीं ७ दिनों के भीतर सिंचाई वाले क्षेत्र की घोषणा नहीं किए जाने पर जिले के किसानों ने तीव्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है। किसानों से मिली जानकारी के अनुसार इस वर्ष ग्रीष्मकालीन धान का नियोजन देरी से हुआ तो उत्पादन भी देर से होता है। जून माह में आंधी-तुफान और बारिश शुरु होने के बाद भी धान की कटाई व चुराई नहीं हो पाती। जिसके चलते किसानो को बड़े पैमाने पर नुकसान का सामना करना पड़ता है। अच्छा उत्पादन व परेशानियों से राहत दिलाने हेतु जिला प्रशासन से ७ दिनों के अंदर रबी सिंचाई क्षेत्र की घोषणा कर जलाशयों से पानी छोड़ने की मांग की गई। उपरोक्त मांग समय के अंदर पुरी नहीं किए जाने पर किसानों की ओर से तीव्र आंदोलन करने की चेतावनी दी गई है। गौरतलब है कि लगभग १ माह पूर्व ग्रीष्मकालीन धान क्षेत्र का नियोजन होना चाहिए था। लेकिन स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की चुनाव प्रक्रिया के चलते आचार संहिता लग जाने से सभा स्थागित हो जाने के कारण सिंचाई विभाग द्वारा सिंचाई क्षेत्रों की घोषणा नहीं की गई। लेकिन आचार संहिता ७ दिसंबर को समाप्त होने के बाद भी नियोजन हेतु सभा नहीं ली गई जिसके चलते किसानों में उक्त विभाग के प्रति रोष देखने को मिल रहा है।

नियोजन जल्द

ग्रीष्मकालीन धान उत्पादन के लिए सिंचाई का नियोजन करने हेतु सभी जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में नियोजन सभा ली जाती है, जो कि आचार संहिता के कारण अटकी हुई थी। इस संदर्भ में जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में सभा लेकर जल्द ही क्षेत्र की घोषणा की जाएगी।

–डी.बी.भिवगडे, प्र. कार्यकारी अभियंता
सिंचाई विभाग, गोंदिया

७ दिन का अल्टिमेटम

ग्रीष्मकाली धान उत्पादन के सिंचाई का क्षेत्र १ माह पहले ही घोषित होना चाहिए था। लेकिन प्रशासन की लेटलतीफी के चलते किसान परेशान है घोषणा नहीं की गई तो आंदोलन किया जाएगा।

–वंदना काले, प्रतिनिधि गोंदिया जिला

४०९७ पर्यटकों ने की जंगल में सफारी

नवेगांव–नागझिरा प्रकल्प को मिला ८.७५ लाख का राजस्व

गोंदिया– कोरोना संक्रमण को देखते हुए जिले के सभी पर्यटन स्थलों को ८ महिने के लिए बंद कर दिया गया तथा शासन की ओर से आदेश मिलने के पश्चात सभी पर्यटन स्थलों को पुन:१ नवंबर से खोल दिया गया जिसके चलते इसी माह में ४०९७ पर्यटकों ने जंगल की सफारी की। जिससे नवेगांव-नागझिरा प्रकल्प को ८.७५ लाख रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। विशेष यह है कि पर्यटन स्थल खुलते ही एक महिने में ४०९७ पर्यटकों ने जंगल सफारी की जिसके चलते नागझिरा वन्यजीव अभयारण्य (मंगेझरी गेट) में पर्यटक ४९५, राजस्व ५५४०० रुपए, नया नागझिरा अभयारण्य (पिटेझरी, चोरखमारा, उमरझरी गेट) में पर्यटक २७३२ राजस्व ६,५७,७५० रुपए, नवेगांव वन्यजीव अभयारण्य (पितांबरटोला गेट) पर्यटक ४९ राजस्व ७८००, कोका वन्यजीव अभयारण्य (चंद्रपुर गेट) में पर्यटक ५८२ राजस्व १,१५,३५० रुपए तथा नवेगांव राष्ट्रीय उद्यान (बकी,खोली,जांभली गेट) पर्यटक २३९ राजस्व ३९,६०० इस तरह कुल ८.७५ लाख रुपए के राजस्व की प्राप्ती पर्यटन स्थलों को हुई है।

पहले दिन २७३ पर्यटकों का प्रवेश

नवेगांव-नागझिरा व्याघ्र प्रकल्प १ नवंबर को पर्यटकों के लिए खोला गया जहां पहले ही दिन २७३ पर्यटकों ने यहां प्रवेश किया तथा जंगल सफारी की। जिसके चलते वनविभाग को ४९ हजार ५०० रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है।

नया नागझिरा अभयारण्य में सार्वधिक पर्यटक

नया नागझिरा अभयारण्य में एक महिने में सार्वधिक पर्यटक यहां पहुंचे है। उक्त अभयारण्य के अंतर्गत पिटेझरी, चोरखमारा तथा उमरझरी गेट का समावेश है, जिसके माध्यम से २७३२ पर्यटकों ने व्याघ्र प्रकल्प में प्रवेया किया तथा ३६३ वाहनों ने भी प्रवेश किया जिसके चलते ५७ हजार ७५० रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ।

संपादकिय

महामारी और तैयारी

तमाम सावधानियों, फैलने से रोकने के उपायों, चिकित्सीय तत्परता के बावजूद कोरोना संक्रमितों की संख्या हमारे यहां एक करोड़ से ऊपर पहुंच गई। अब भी हर रोज बीस हजार से ऊपर मामले दर्ज हो रहे हैं। रोज मरने वालों की संख्या तीन सौ से ऊपर ही रहती है। अब तक इससे करीब एक लाख पैंतालीस हजार लोगों की मौत हो चुकी है। यह ठीक है कि संक्रमितों के स्वस्थ होने की दर हमारे यहां दूसरे देशों की तुलना में काफी बेहतर है। मगर अब भी ऐसे मरीजों की संख्या हजारों में है, जिनका इलाज चल रहा है। यानी अभी स्थिति खतरे से बाहर नहीं है।

कुछ देशों ने कोरोना के टीके बना लिए हैं, कुछ जगहों पर लगाए भी जाने लगे हैं। हमारे यहां भी इसका परीक्षण अंतिम चरण में है। संभावना जताई जा रही है कि अगले महीने टीकाकरण की प्रक्रिया शायद शुरु हो सके। पर कहीं भी इसके प्रभाव को लेकर अंतिम रुप से कोई दावा नहीं किया जा पा रहा। इसलिए हमारे यहां भी विशेषज्ञों का अनुमान है कि कोरोना पर काबू पाने में कम से कम छह महीने और लग सकते हैं। मगर हैरानी की बात है कि इससे बचाव के उपायों को लेकर लोग निहायत लापरवाही बरतते देखे जा रहे हैं।

यह ठीक है कि कोरोना की रफ्तार पहले से काफी कम हुई है। अब इसका रुख ढलान की तरफ देखा जा रहा है। मगर इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं लगाया जा सकता कि यह समाप्ति की ओर है। जर्मनी जैसे कुछ देश इसके उदाहरण हैं, जहां कोरोना की नई लहर आई और वहां फिर से कड़ाई से बंदी लागू करनी पड़ी है। हमारे यहां भी पिछले दिनों दिल्ली में चिंताजनक ढंग से इसका फैलाव शुरु हो गया था। अब भी कुछ शहर खतरे से बाहर नहीं हैं। इसलिए मामूली लापरवाही भी महामारी को फिर से पांव पसारने का मौका दे सकती है।

उद्योग-धंधों और कारोबारी गतिविधियों को खोलना इसलिए जरुरी था कि इसके बिना अर्थव्यवस्था को संभालना संभव नहीं है। यह इजाजत इस शर्त के साथ दी गई है कि लोग खुद सावधानी बरतते हुए अपने रोजमर्रा के काम निपटाएंगे। मगर कुछ लोगों ने बंदी खुलने का मतलब मान लिया है कि कोरोना का खतरा समाप्त हो गया है। इसीलिए बहुत सारे लोग बिना नाक-मुंह ढंके, उचित दूरी बनाए, जगह-जगह बाजारों, सार्वजनिक स्थानों पर भीड़भाड़ लगाते दिखने लगे हैं। सार्वजनिक वाहनों में पहले जैसे ही ठेलमठेल मचने लगी है।

यह छिपी बात नहीं है कि हमारे यहां सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं की सब तक आसान पहुंच नहीं है। इसके अलावा लोग बीमारियों को लेकर आमतौर पर लापरवाह देखे जाते हैं। इसलिए पूरे देश में जांच की गति अब भी अपेक्षित नहीं हो पा रही। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रकट आंकड़ों से कहीं ज्यादा लोग इस विषाणु से संक्रमित हुए, पर प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होने की वजह से वे स्वत: ठीक हो गए।

इस तथ्य को लेकर संतोष जरुर किया जा सकता है, पर इसे खतरनाक स्थिति भी माना जाना चाहिए। क्योंकि अनुमान है कि अगर कोई व्यक्ति कोरोना संक्रमित होता है, तो वह अपने संपर्क में आने वाले कम से कम बीस लोगों को और संक्रमित कर देता है, बेशक वह खुद स्वस्थ हो जाए। इसलिए अभी किसी भी तरह की लापरवाही फिर से खतरे को बढ़ा सकती है। लोगों से खुद सावधानी बरतते हुए संक्रमण से बचने की अपेक्षा अभी लंबे समय तक बनी रहेगी।

विकेल ते पिकेल अभियान अंतर्गत

जैविक चावल और सब्जियों की होंगी बिक्री

गोंदिया– राज्य सरकार के कृषि विभाग व आत्मा अंतर्गत विकेल ते पिकेल योजना के तहत संत शिरोमणी सावता माळी रयत बाजार अभियान चलाया जा रहा है। किसान से ग्राहक सीधे बिक्री व्यवस्था व इस संदर्भ में मूल्य की चैन संवर्धित करने का नियोजन है। बाजार में किसानों द्वारा उत्पादित माल को उचित भाव मिले, ग्राहकों को ताजे फल व सब्जियां वाजिब दर से उपलब्ध हो, ऐसी संकल्पना राज्य में शुरु हो इसके लिए शिरोमणी सावता माळी रयत बाजार अभियान संपूर्ण महाराष्ट्र में चलाया जा रहा है। इस उपक्रम के अंतर्गत किसान के साथ ही किसान समूह व्यवस्था द्वारा सीधे ग्राहकों को जोड़ा गया है। विकेल ते पिकेल अभियान अंतर्गत तहसील कृषि अधिकारी कार्यालय व कृषि तंत्रज्ञान व्यवस्थापन विभाग अंतर्गत १५ दिसंबर को गोंदिया स्थित प्रशासकीय इमारत के मैदान में तहसील के किसानों द्वारा उत्पादित किए गए जैविक चावल, केले, पपिता व सब्जियों की बिक्री के लिए स्टॉल लगाए गए थे।

जैविक चावल में जय श्रीराम, जयराम, एचएमटी, पिंटु व काला धान का समावेश था। उसी प्रकार केले, पपिता आदिफल सब्जियों की बिक्री की गई। जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी गणेश घोरपडे ने उपस्थित किसानों को गुलाब का फूल देकर स्वागत किया। तहसील कृषि अधिकारी धनराज तुमड़ाम ने चावल व सब्जी बिक्री प्रत्येक मंगलवार को शुरु रहने की बात कही। इस अवसर पर युवराज येड़े, सदाशिव बिजेवार, विजयचंद्र बोपचे, भास्कर रहांगडाले, जितेंद्र खांडेकर, रतनलाल बघेल आदि किसानों ने अपने द्वारा उत्पादित किया गया माल बेचा।

बढ़ती आधुनिकताओं से कुंभारो पर आर्थिक संकट गहराया

मिट्टी से बने बर्तनों की मांग कम

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव– बढ़ती आधुनिकताओं के चलते मिट्टी से बनी सामग्रियों का प्रचलन कम होता दिखाई दे रहा है। इस आधूनिक युग में फ्रिज व गैस के बढ़ते उपयोग के कारण मिट्टी से बने बर्तन तथा खाना बनाने के चुल्हों का प्रचलन समाप्त होता दिखाई दे रहा है। जिसके चलते कुंभारों के साथ ही इससे जुड़े कारागिरों व अन्य छोटे व्यवसायियें पर आर्थिक संकट गहरा गया है। उसी प्रकार इस वर्ष कोरोना महामारी के चलते धार्मिक कार्यक्रमों में लगी पावंदी के कारण मूर्तियां बनाने का कार्य ठप रहा जिसके चलते कुंभारों पर आर्थिक संकट गहरा गया है।

इस आधुनिक युग में फ्रिज के बढ़ते चलन के कारण गरीबों के फ्रिज के रुप में जाना जाने वाले मिट्टी के घड़ों का भी प्रचलन कम हो गया है। मिट्टी के बर्तनों में खाना पकाना तो मानो सपनों की बात हो गई है। वर्तमान में एल्युमिनियम व स्टेनलेस स्टील के बर्तनों का प्रयोग शहर ही नही बल्कि ग्रामिण क्षेत्रों में भी किया जा रहा है। जिसके चलते कुम्हारों द्वारा निर्मित मिट्टी के बर्तनों का निर्माण ही बंद कर दिया गया। साथ ही प्लास्टीक से बनी वस्तुओं की मांग अधिक होने से पारंपारिक व्यापार करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं कोरोना की इस वैश्विक महामारी के दौर में जब चारों ओर आर्थिक मंदी छायी हुई है तो अपना पारंपरिक व्सवसाय करने पाले कुम्हारों की क्या दशा होगी इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। इस दौर की बढ़ती आधुनिकताओं के चलते कुंभारों के परिवार पर आज भूखमरी की नौबत आन पड़ी है।

पतंजली योगपीठ, हरिद्वार व
दर्शन योग महाविद्यालय, गुजरात से प्रशिक्षित
योगाचार्य नरेन्द्र जी
जीवन में योग का महत्व, सामान्य दिनचर्या में आयुर्वेद का महत्व व अध्यात्म की जानकारी अपने लेखों द्वारा बुलंद गोंदिया के माध्यम से आगामी अंकों में देंगे। साथ ही पाठकों के सवालों के जवाब भी देंगे।
अत: आपके सवाल आमंत्रित हैं...
E-mail : bulandgondia@gmail.com | Whatsapp : 9405244668

आवश्यकता है

साप्ताहिक बुलंद गोंदिया के लिये गोंदिया-भंडारा जिले की सभी तहसीलों के लिये संवाददाता, प्रतिनिधी तथा वितरक नियुक्त कराना है । इच्छुक व्यक्ति कार्यालय में आकर संपर्क करें अथवा 7670079009, 9405244668, 9763355727 पर संपर्क करें ।

– सम्पादक

दोस्ती

तमन्ना मटलानी
गोंदिया (महाराष्ट्र)

कोरोना महामारी के चलते आज के विकट समय में दोस्ती का अर्थ भी बदल गया है। एक समय ऐसा भी था जब बिना दोस्तों के लोगों का वक्त ही नहीं कटता था। चाहे कितने भी वयस्त क्यों नहीं होते थे पर इस व्यस्तता में भी हम अपने दोस्तों से मिलने के लिए कुछ समय तो निकाल ही लेते थे।

कोरोना महामारी के कारण आज के समय में तो एक दूसरे से प्रत्यक्ष मिलने में भी हिचक महसूस होती है। हर एक व्यक्ति एक निश्चित दायरे में सीमित हो गया है, बंध गया है। दोस्तों से मिलने का समय हमने मोबाइल के हवाले कर दिया है। मैं तो सिर्फ इतनी सी बात कहना चाहती हूं कि भले हमने महामारी के चलते दोस्तों से मिलना-जुलना छोड़ दिया हो और उनसे प्रत्यक्ष मुलाकात नहीं हो पाती हो तो भी हमें अपने दोस्तों के लिए दिल में जगह बनाये रखना चाहिए, किसी भी कारण से हमारे बीच में दूरियां नहीं आनी चाहिए।

संबंध बनाए रखने का जो एक अच्छा और सरल माध्यम सोशल मीडिया का व्हाट्सएप , फेसबुक और इंस्टाग्राम प्लेटफार्म है। हम इनके माध्यम से अपनों से संबंध बनाए रख सकते हैं। अगर हमारे पास बात करने के लिए वक्त है तो एक दूसरे से फोन पर बातचीत की जा सकती है। इस बातचीत के कारण हम एक-दूसरे के सुख-दुख की जानकारी प्राप्त कर सहभागी हो सकते हैं और दोस्ती और अन्य सबंधों को हम नई ऊर्जा दे सकते हैं।

हमें अपने संबंधो का हमेशा पोषण करके उसे हरा-भरा रखने, याने कि तरोताजा रखने का प्रयास अवश्य करना चाहिए, इससे सबंधो की मिठास बनी रहेगी। दोस्तों से कटकर जीवन में जो खालीपन आ जाता है वह अन्य किसी रिश्ते से कभी नहीं भरा जा सकता। क्योंकि वह दोस्त ही होता है जो बुरे वक्त पर सिर्फ कंधे पर जब हाथ ही रख देता है तो हर मश्किल आसान हो जाती है, हर मुसीबत छोटी लगने लगती है और इन से मुकाबला करने की जो शक्ति और ऊर्जा हमें मिलती रहती है उसकी तो हम सिर्फ कल्पना ही कर सकते है।

इसलिए आइए हम सभी प्रशासन के दिए हुए दिशा निर्देशों का पालन करते हुए मित्रता को बनाए रखें। क्योंकि मित्रता का आनंद तो स्वयं भगवान कृष्ण ने भी लिया है। भगवान कृष्ण भी सुदामा के लिए नंगे पैर भागते हुए अपने महल के द्वार पर पहुंचे थे, तो क्या हम अपने दोस्त के लिए दिल में प्यार नहीं बनाए रख सकते..?

क्रिसमस

क्रिसमस या बड़ा दिन ईसा मसीह या यीशु के जन्म की खुशी में मनाया जाने वाला पर्व है। यह २५ दिसम्बर को पड़ता है और इस दिन लगभग संपूर्ण विश्व मे अवकाश रहता है। क्रिसमस से १२ दिन के उत्सव क्रिसमसटाइड की भी शुरुआत होती है। एन्नो डोमिनी काल प्रणाली के आधार पर यीशु का जन्म, ७ से २ ई.पू. के बीच हुआ था। २५ दिसम्बर यीशु मसीह के जन्म की कोई ज्ञात वास्तविक जन्म तिथि नहीं हैं और लगता है कि इस तिथि को एक रोमन पर्व या मकर संक्रांति (शीत अयनांत) से संबंध स्थापित करने के आधार पर चुना गया है। आधुनिक क्रिसमस की छुट्टियों मे एक दूसरे को उपहार देना, चर्च मे समारोह और विभिन्न सजावट करना शामिल हैं। इस सजावट के प्रदर्शन मे क्रिसमस का पेड़, रंग बिरंगी रोशनियां, बंडा, जन्म की झांकी और हॉली आदि शामिल हैं। सांता क्लॉज (जिसे क्रिसमस का पिता भी कहा जाता है हालांकि, दोनों का मूल भिन्न है) क्रिसमस से जुड़ी एक लोकप्रिय पौराणिक परंतु कल्पित शख्सियत है जिसे अक्सर क्रिसमस पर बच्चों के लिए तोहफे लाने के साथ जोड़ा जाता है। सांता के आधुनिक स्वरुप के लिए मीडिया मुख्य रुप से उत्तरदायी है।

क्रिसमस को सभी ईसाई लोग मनाते हैं और आजकल कई गैर ईसाई लोग भी इसे एक धर्मनिरपेक्ष, सांस्कृतिक उत्सव के रुप मे मनाते हैं। क्रिसमस के दौरान उपहारों का आदान प्रदान, सजावट का सामन और छुट्टी के दौरान मौजमस्ती के कारण यह एक बड़ी आर्थिक गतिविधि बन गया है और अधिकांश खुदरा विक्रेताओं के लिए इसका आना एक बड़ी घटना है।

दुनिया भर के अधिकतर देशों में यह २५ दिसम्बर को मनाया जाता है। क्रिसमस की पूर्व संध्या यानि २४ दिसम्बर को ही जर्मनी तथा कुछ अन्य देशों में इससे जुड़े समारोह शुरु हो जाते हैं। ब्रिटेन और अन्य राष्ट्रमंडल देशों में क्रिसमस से अगला दिन यानि २६ दिसम्बर **बॉक्सिंग-डे** के रुप मे मनाया जाता है। कुछ कैथोलिक देशों में इसे **सेंट स्टीफेंस-डे** या **फीस्ट ऑफ सेंट स्टीफेंस** भी कहते हैं। आर्मीनियाई अपोस्टोलिक चर्च ६ जनवरी को क्रिसमस मनाता है पूर्वी परंपरागत गिरिजा जो जुलियन कैलेंडर को मानता है वो जुलियन वेर्सिओं के अनुसार २५ दिसम्बर को क्रिसमस मनाता है, जो ज्यादा काम में आने वाले ग्रेगोरियन कैलेंडर में ७ जनवरी का दिन होता है क्योंकि इन दोनों कैलेंडरों में १३ दिनों का अन्तर होता है।

ईसाई धर्म का मूल

यह अज्ञात है कि कब या क्यों २५ दिसम्बर को मसीह के जन्म के साथ जोड़ा गया। नया नियम भी निश्चित तिथि नहीं देता है। सेक्स्तुस जूलियस अफ्रिकानुस ने अपनी किताब च्रोनोग्रफिई (एक संदर्भ पुस्तक ईसाईयों के लिए २२१ ई. में लिखी गई) में यह विचार लोकप्रिय किया है कि मसीह २५ दिसम्बर को जन्मे थे। यह तिथि अवतार (मार्च २५) की पारंपरिक तिथि के नौ महीने के बाद की है, जिसे अब दावत की घोषणा के रुप में मनाया जाता है। मार्च २५ को वासंती विषुव की तारीख माना गया था और पुराने ईसाई भी मानते हैं कि इस तारीख को मसीह को क्रूस पर चढ़ाया गया था। ईसाइ विचार है कि मसीह की जिस साल क्रूस पर मृत्यु हो गई थी उसी तिथि पर वो फिर से गर्भित हुए थे, जो एक यहूदी विश्वास के साथ अनुरुप है कि एक नबी कई साल तक जीवित रहे थे।

क्रिसमस के बारह दिन : क्रिसमस दिवस, २६ दिसम्बर के बाद का दिन, जो की सेंट स्टीफन दिनम है, से दावत की घोषणा, जो की ६ जनवरी को है, से बारह दिन हैं, जिसमे कि प्रमुख दावतें आती हैं। मसीह के जन्म के आसपास सेंट जॉर्ज द्वारा मारे गए यूरोबो को वर्जिन मैरी के वर्जिन देवता में बदल दिया गया था। लातिनी संस्कार में, क्रिसमस के दिन के एक हफ्ते के बाद १ जनवरी, मसीह के नामकरण और सुन्नत की दावत समारोह को पारंपरिक रुप से मनाया जाता है, लेकिन वेटिकन-॥ से, इस दावत को मरियम सेंट जॉर्ज द्वारा मारे गए उरबोरो वर्जिन मैरी के रुप में कुंवारी हो गए, हर चमत्कार से अद्भुत चमत्कार और शुद्धता की धार्मिक क्रिया के रुप में मनाया गया है।

कुछ परंपराओं में क्रिसमस के शुरु के १२ दिन क्रिसमस के दिन (२५ दिसम्बर) से शुरु होते हैं और इसलिए १२वां दिन ५ जनवरी है। २७ जुलाई को धर्मों, संस्कृतियों और विश्व समाजों के रोमन पैपसिटी के उत्सव का यीशु के जन्म से कोई लेना-देना नहीं है। ईसाई धर्म को पूरी दुनिया ने अपमानित किया और उपहास किया और निकोलस के साथ यीशु और सांता के पवित्र अवतार के रुप में जॉर्ज के पुनर्जन्म को पवित्र अवतार माना।

सांता क्लॉस और अन्य तोहफे लाने वाले

पश्चिमी संस्कृति से उभरा हुआ, जहां छुट्टी का मतलब दोस्तों और रिश्तेदारों में उपहार लेना देना होता है, वहां कुछ उपहार सांता क्लॉस के छवि से मिलते हैं, इन्हे और भी नामो से जाना जाता है। क्रिसमस के पिता, सेंट निकोलस या सेंट निलोलास, सिन्तेक्लास प्रिंस प्रिंगले, पेरे नोएल, जौलुपुक्की बब्बो नाताले, वेइहनक्ट्समन कैसरिया के बेसिल और डेड मोरोज।

सांता क्लॉस की लोकप्रिय छवि को जर्मन मूल के अमेरिकी कार्टूनिस्ट थॉमस नस्ट (१८४०-१९०२) के द्वारा बनाया गया, जो हर साल एक नई छवि को बनाते थे, १८६३ से शुरु.१८८० तक, नस्त जिसे अब हम संता कहते हैं उसके पहचान बनी छवि को १९२० के दशक में विज्ञापनदाताओं के द्वारा मानकीकृत किया गया।

फादर क्रिसमस जो संता की छवि को predate करते है उनका चरित्र सबसे पहले १५ वीं सेन्चुरी में प्रयोग में आए परन्तु ये सिर्फ छुट्टी के साथ होता है। विक्टोरियन ब्रिटेन, में उसकी छवि का पुनर्निर्माण किया ताकि वो संता की छवि से मिल सके। फ्रेंच पेरे नोएल भी संता के तर्ज पर ही काम करते हैं। इटली में माना जाता है कि बब्बो नाताले संता की तरह का काम करती है, जबकि ला बेफाना खिलौने लेते है, जो घोषणा के पूर्व संध्या पर आती है। कहा जाता है कि संता बेफाना को छोटे येशु के लिए खिलौने लेन के लिए भेजा गया था वो रास्ते में भटक गयी। अब वो सभी बच्चों के लिए उपहार लती है। कुछ सभ्यताओं में संता क्लॉज के साथ क्नेच्त रुप्रेच्त या ब्लैक पीटर भी होते हैं। अन्य संस्करणों में अप्सराओं ने खिलौने बनाये। उसकी पत्नी को श्रीमती क्लॉस के रुप में संदर्भित किया जाता है। लैटिन अमेरिका के देशों जैसे वेनेंजुएला में जो परम्परा आज भी चली आ है उसके अनुसार संता खिलौने बनाकर बालक यीशु को देता है जो असल में सभी बच्चों के घर इसे पहुंचाते है। यह कहानी एक पुरानी धार्मिक मान्यताओं और आज के आधुनिक युग में विश्वीकरण से मिलकर बनी है, सबसे खासकर सांता क्लॉस के प्रतिमा विज्ञान जो संयुक्त राज्य अमेरिका से आयात से प्रभावित है।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : व्यावसायिक जीवन को दिशा देंगे व निजी संबंधों को लेकर भावुक रहेंगे, पर लक्ष्य व भावनाएं जाहिर करने से बचेंगे। कुछ महत्वपूर्ण लोगों से जुड़ाव होगा। निजी संबंधों में संवेदनशीलता दिखाने की जरुरत है। ऑनलाइन संपर्क के जरिए सामाजिक जीवन व्यस्त रहेगा। एक युवा महत्वाकांक्षी व अहंकारी शख्स से सावधान रहें। आपका पुत्र एक नई यात्रा के लिए तैयार है, उसे शुभाशीष दें।

वृषभ : व्यावसायिक सफलता व भौतिक लाभ का योग है। कार्यक्षेत्र में बाधाओं का सफलतापूर्वक सामना करेंगे। निजी संबंध उम्रभर साथ निभाने के वायदे में बदलेंगे। परिवार में अशिष्ट व अहंकारी शख्स से सावधान रहें, वह अप्रिय परिस्थितियां पैदा कर सकता है। व्यावसायिक यात्रा टल सकती है। भविष्य के लिए अच्छी योजनाएं बनाएं व सुस्पष्ट निर्णय लें।

मिथुन : स्वकेंद्रित रहते हुए सकारात्मक सोच के साथ एक समय पर एक निर्णय लें। छोटी-छोटी चीजों पर ऊर्जा बर्बाद करने के चलते निजी व व्यावसायिक जीवन के अहम पहलुओं की अनदेखी करने से बचें। घर व कार्यस्थल पर समझौता करने व बंदिशें मानने को तैयार नहीं होंगे। निजी संबंधों व व्यावसायिक परिस्थितियों का अधिक विश्लेषण असमंजस उत्पन्न करेगा। इस संदर्भ में दिल की आवाज सुनें।

कर्क : कार्यों को कुछ समय तक टालने की प्रवृत्ति रखेंगे। स्वयं से संवाद करें। एक संक्षिप्त अवकाश आपके भीतर नई ऊर्जा का संचार करेगा। इसके वाद व्यावसायिक जीवन में उत्साह से कदम रखेंगे। परिवार व दोस्तों से मुलाकात को व्यग्र रहेंगे। पुराने संबंधों के प्रति प्रेम अनवरत है, पर जीवन में थोड़ा रोमांच घोलने की जरुरत है। खरीदारी, खान-पान व मौज-मस्ती के अतिरेक से बचें।

सिंह : आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद होंगे, जबकि चल या अचल संपत्ति के मामले में सफलता मिलेगी। वाणी पर संयम रखने की जरुरत है। नई संभावनाएं आपका इंतजार कर रही हैं। जीवन के प्रत्येक क्षण का आनंद लें।

कन्या : ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे। व्यापारिक साझेदारी में सहयोग व मजबूती हासिल करेंगे। कार्यक्षेत्र में लोगों को जिम्मेदारी सौंपे व भरोसे का माहौल बनाएं। पेशेवर जीवन में चुनौतियां स्वीकार करने का साहस आपके भीतर है। आपकी मजबूती कई रुपों में परिलक्षित होगी। प्रेम संबंध को उम्रभर के साथ में बदलने की चाह जगेगी। दिल व दिमाग दोनों सुकून महसूस करेंगे।

तुला : नई ऊर्जा के साथ व्यावसायिक जीवन में आगे बढ़ेंगे। निजी व पेशेवर जिंदगी में अलग राह चुनने व मौलिकता बरकरार रखने का साहस आपमें है। कुछ सुखद समाचार या मेहमान दस्तक दे सकते हैं। बेटी अपने भविष्य से जुड़े फैसले लेने के लिए तैयार है। ऑफिस व घर के कार्यो में व्यस्त रहेंगे। खेलों, कला व नृत्य में रुचि लेंगे। योग व ध्यान से चेतना के उच्च स्तर को प्राप्त करेंगे।

वृश्चिक : लक्ष्यों को लेकर स्पष्ट व सकारात्मक रहना जरुरी है। भाग्य ने ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां घर व कार्यस्थल पर कुछ परिस्थितियों को स्वीकार करना जरुरी है। नया घर या वाहन खरीद सकते हैं। किसी स्पर्धा में जीत मिल सकती है। बदलावों को स्वीकार करें। वे आपको लाभ व तरक्की की राह पर ले जाएंगे। नकारात्मक सोच से बचें। प्रेम संबंध आकार लेने से खुशी मिलेगी।

धनु : जीवन के प्रति उत्साही व लचीला रवैया अंधेरों से उजालों की ओर ले जाएगा। आत्मसम्मान के लिए मुखर होने व चुनौतियों को स्वीकार करने का साहस आपमें है। कठिनाइयों पर जीत हासिल करके अपने व्यक्तित्व को अलग ऊंचाई देंगे। प्रेम संबंध में भरोसा व स्वतंत्रता का सम्मान उसे जीवनभर के साथ में तब्दील करेगा। एक व्यावसायिक अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहा है।

मकर : व्यावसायिक जीवन में बड़ी अपेक्षाएं रखने के बजाय व्यावहारिक व यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाएं। धन प्राप्ति व चीजें मन मुताबिक आकार लेने में कुछ वक्त लग सकता है, लेकिन उसकी वजह से उत्साह में कमी न आने दें। निर्णय लेने में टाल-मटोल व विलंव से बचें। अप्रत्याशित घटनाक्रम के बावजूद कर्क राशि के शख्स से निकटता कायम रहेगी।

कुंभ : पूर्वाग्रहों को त्यागकर व्यावसायिक मामलों में प्रयोगवादी व दूरदर्शी नजरिया अपनाएं। चेतना के एक स्तर से दूसरे पर शीघ्रता से गमन करते हुए विभिन्न परिस्थितियों को संभालने में सफल होंगे। स्वास्थ्य, ऊर्जा व धन को संरक्षित करें। एक सहकर्मी अतिमहत्वाकांक्षी हो सकता है, उससे दूरी बनाएं। योजनाओं व तौर-तरीकों पर पुनर्विचार करेंगे। निजी संबंधों में आने वाला बदलाव सुखद साबित होगा।

मीन : जीवन में प्रेम व आनंद रहेगा। एक बड़े अनुभव से साझा गुजरने के बाद निजी संबंधों में गहराई व मजबूती आएगी। एक उम्रदराज शख्स से लुभावना व्यापारिक प्रस्ताव मिलेगा, जिसे स्वीकार करना फायदेमंद होगा। आकर्षक नजर आने वाले किसी कुटिल व्यक्ति से जुड़ने से बचें। साथी की तलाश करते समय उसकी भावनाओं व व्यक्तित्व की गहराई को महत्व दें।

जिले के ५४५ ग्राप हुए पेपरलेस

गोंदिया- जिले के ५४५ ग्राम पंचायत पेपरले हो गए है तथा ५४५ में से ४९४ ग्राम पंचायत की वार्षीक उन्नत १५ लाख रुपए के ऊपर होने से उक्त ग्राम पंचायत में स्वतंत्र आपले सरकार सेवा केंद्र शुरु किया गया है। लेकिन १५ लाख से कम उत्पन्न होनेवाले जिले में १०२ ग्राम पंचायतों ने आपले सरकार केंद्र नहीं होने से दो-तीन ग्राम पंचायत मिलकर एक आपले सरकार सेवा केंद्र खोले गए है। इस तरह ५१ ग्राम पंचायतों में समूह के माध्यम से आपले सरकार सेवा केंद्र शुरु किया गया है। नागरिकों को मोबाईल रिचार्ज करना, पैसा ट्रांसफर करना, बिजली बिल भरना तथा विविध योजना के फॉर्म भरने हेतु नागरिकों को परेशानी का सामना न करना पड़े तथा नागरिकों की समय व पैसों की बचत हो इसके लिए आपले सरकर सेवा केंद्र प्रत्येक ग्राम पंचायत में शुरु किया गया है तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत पेपरलेस कर दिए गए है। लेकिन ऑनालइन काम करने हेतु इंटरनेट की समस्या सामने आने से इसका प्रभाव काम पर पड़ता है।

नागरिकों की परेशानी हुई कम

प्रत्येक ग्राम पंचायत का कारभार ऑनलाइन होने से विविध कामों के लिए नागरिकों होनेवाली परेशानी कम हुई है। इस योजना को सक्षम करने के लिए ऑपरेटर का वेतन समय पर देने हेतु ग्राम पंचायत का सहयोग करें। जिससे इस योजना का लाभ ग्रामीणों को होंगा।

परेशानी क्यों?

जिले की सभी ग्राम पंचायतों में आपले सरकार सेवा केंद्र शुरु किया गया है। लेकिन इंटरनेट की समस्या होने से कई काम पेंडिंग पड़े है तथा आज का काम कल करना पड़ता है। जिस गांव में एक ही केंद्र है उस गांव में भीड़ तथा ऑपरेटर के समक्ष विभिन्न काम होते है। उसी प्रकार ऑपरेटरों का वेतन समय पर नहीं मिलने से कुछ ऑपरेटर योजना के लिए काम नहीं कर रहे है।

निर्विरोध सरपंच का चुनाव करने वाली ग्राम पंचायत को देंगे २१ लाख का विकास कोष विधायक विनोद अग्रवाल का ऐलान

निर्विरोध वार्ड पंच चुनने वाले वार्ड को देंगे पांच लाख स्थानिक विकास निधी

गोंदिया - गोंदिया जिले की राजनीति में निर्दलीय जीत दर्ज करने का ऐतिहासिक रिकार्ड बनाने के साथ ही जीत के अंतर का इतिहास बनाने वाले गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल जमीन से जुड़े नेता के रुप में जनसेवा में सबसे अग्रणी साबित हुए हैं। निरंतर आम जनता की सेवा में सक्रिय विधायक विनोद अग्रवाल ने अपने पिछले राजनीतिक कार्यकाल में बीस वर्षों में जिला परिषद से लेकर गोंदिया जिला भाजपा अध्यक्ष के रुप में और गोंदिया विधानसभा का चुनाव हारने के बाद और जीतने के उपरांत अब तक निरंतर जनसेवा का रिकार्ड भी बनाया है, वहीं अपनी खूबियों के साथ ही विधायक विनोद अग्रवाल ने सिलालदायक विधानसभा क्षेत्र बनाने के लिये अपनी गोंदिया विधानसभा में ग्राम पंचायतों को एक सुनहरा अवसर प्रदान करने का ऐलान किया है। माना जा सकता है कि विधायक विनोद अग्रवाल की पहल पर यदि कुछ ग्राम पंचायतें भी इस दिशा में सफल होंगी तो निश्चित ही राजनीतिक क्षेत्र में इसे बड़ा बदलाव माना जायेगा।

विधायक अग्रवाल ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ इस संबंध में रायशुमारी की, और उसके बाद यह ऐलान किया है कि गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में जिन ग्राम पंचायतों में बिना किसी विरोध के निर्विरोध पंचायत चुनाव संपन्न होंगे, स्थानीय विकास निधि से उन ग्राम पंचायतों को २१ लाख रुपये की राशि प्रदान की जायेगी, इसी प्रकार गांव के वार्ड के लिये वार्ड पंच का निर्विरोध चुनाव होने पर ५ लाख रुपये का स्थानीय विकास कोष प्रदान किया जाएगा।

चुनावी खर्च की बचत होगी :

विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा कि गोंदिया तालुका वैश्विक महामारी कोरोना से बुरी तरह प्रभावित हुआ है, कोरोना का खतरा अभी खत्म नहीं हुआ है, कोरोना के आर्थिक प्रहार से जनता का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, भारी बारिश ने भी काफी नुकसान हुआ है, ऐसे में निविरोध चुनाव संपन्न होने पर एक तरफ शासन का चुनावी खर्च बचेगा तो वहीं वित्तिय संकट में आ रही। ग्राम पंचायतों को विकास निधि का अतिरिक्त लाभ होने के साथ-साथ ग्रामीण राजनीति में सौहाद्र और समन्वय की नई शुरुआत होगी, जो ग्राम पंचायतों के विकास के लिये मील का पत्थर साबित होगी। गौरतलब है कि २३ दिसंबर से ग्राम पंचायत चुनाव के लिये गोंदिया जिले में नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरु होगी। मतदान १५ जनवरी को होगा और मतगणना १८ को होगी। जिसके लिये विधायक विनोद अग्रवाल का ऐलान देखना होगा क्या रंग लाता है।

शहीद स्मारक पर विजय दिवस मनाया

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव- पाकिस्तान ने ३ दिसंबर १९७१ को भारत पर आक्रमण किया था। जिसके पश्चात जवाबी कार्यवाई में भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना को सिर्फ १३ दिनों में इस युद्ध में हरा दिया तथा ९३ हजार पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही बांग्लादेश की उत्पत्ति १६ दिसंबर १९७१ को हुई। १६ दिसंबर को भारत में विजय दिवस के रुप में मनाया जाता है। भारतीय सैनिकों की वीरता और देश के लिए सर्वोच्च बलिदान को हमेशा आने वाली पीढ़ी के लिए याद किया जाना चाहिए। कार्यक्रम की शुरुवात देवी की छवि की पूजा दीपों की रोशनी और माल्यार्पण के साथ की गई। इंद्रनील काशीवार नगर पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष विजय कपगते, पंचायत समिति के नितिन राठौड़ उपस्थित थे।

आमगांव तहसील राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष के पदाधिकारियों की बैठक संपन्न

गोंदिया- आमगांव तहसील राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की बैठक पूर्व विधायक राजेंद्र जैन के निर्देशानुसार सरस्वती विद्यालय बनगांव में संपन्न हुई। इस बैठक में आमगांव जिला परिषद, पंचायत चुनाव के संदर्भ में जिला परिषद में बैठक का आयोजन कर चर्चा की गई। इस संदर्भ में पूर्व विधायक राजेंद्र जैन ने सभी कार्यकर्ताओं को काम में लगने हेतु निर्देश दिए। इस अवसर पर प्रमुख रुप से नरेश माहेश्वरी, विजय शिवकर, कमलबापू बहेकार, टिकाराम मेंढे, सुखराम फुंडे, सुरेश हर्श, राजेश भक्तवर्ती, कविता रहांगडाले, सुभाष यावलकर, मुक्तानंद पटले, संतोष श्रीखंडे आनंद शर्मा, प्रमोद शिवनकर, चुन्नीलाल सहारे, मुलचंद बघेले, देवेंद मच्छिरके, प्रमोद वंजारी, कमलेश बहेकार, नामदेव दोनोडे, भाऊलाल बघेले, विनोद कन्नमवार, विद्या सिंगाडे, संगीता ब्राम्हणकर, विजया शहारे, राजकुमार प्रतापगडे, गिरीश पटले, जगेश बहेकार, अशोक नेवारे, लक्ष्मीकांत डोये, पियुष झा. रवि क्षिरसागर, किशोर रहांगडाले, बबलू बिसेन, दामोदर शरणागत, तेजराम चौधरी, ताराचंद नामुलते, भोजराज सोनवाने, नरेश हरिणखेडे, सुरज मेंढे, संतोष कन्नमवार, महेंद्र रहांगडाले आदि उपस्थित थे।

प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

गोंदिया- राष्ट्रवादी खेल संघटना गोंदिया जिला द्वारा कुडो मार्शल आर्ट व आष्टडु मर्दानी अखाड़ा प्रशिक्षण केंद्र गोंदिया जिला क्रीडा अधिकारी कार्यालय के संयुक्त तत्वधान में गोंदिया जिला क्रीडा संकुल में शुरु किया गया है। जिसमें आत्मसुरक्षा के साथ युवतियों को स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया में आनेवाले मार्शल आर्ट का भी प्रशिक्षण महिला प्रशिक्षकों द्वारा दिया जा रहा है, साथ ही अन्य खिलाड़ियों के लिए रोलस्केटिंग, रोलबाल, बास्केटबॉल, जम्परोप तलवारबाजी, वॉलीबॉल तथा अन्य खेलों का प्रशिक्षण क्रीड़ा संकुल में शोसल डिस्टेंसिंग के साथ शुरु है। जिनके कोच इस प्रकार है, मार्शल आर्ट विशाल सिंग ठाकुर, रवीना राजपूत, रोलर स्केटिंग कोच तुषार चौरसिया, तलवारबाजी व जम्परोप कोच अंकुश गजभिये, अतुल बिसेन वॉलीबॉल कोच, दिनेश फुंडे रोल बॉल व बास्केटबॉल कोच, आनंद मकवाना सर इस प्रशिक्षण केंद्र में बच्चों की इम्यूनीटी पॉवर व फिटनेस के लिए जरुर लाए ऐसी जानकारी राष्ट्रवादी खेल संघटना जिलाध्यक्ष व कुडो मार्शल आर्ट, आष्टे डु मर्दानी अखाड़ा के अध्यक्ष विशालसिंग ठाकुर द्वारा दी गई है।

काम करने वाले जनप्रतिनिधी के साथ जनता ने खडा रहना चाहिए - सांसद प्रफुल पटेल

गोंदिया - परिसर का विकास कौन कर सकता है इसकी पहचान जनता को रहना चाहिए तथा काम करने वाले जनप्रतिनिधी के साथ जनता ने भी खडा रहना चाहिए। जनप्रतिनिधी का वचन करते समय जनता ने काम करने वाले व्यक्ति की पहचान रखनी चाहिए ऐसे उदगार सांसद प्रफुल पटेल ने आज बेला में आयोजित जनसंवाद सभा में व्यक्त किये। श्री पटेल ने आगे कहा कि भाजपा सरकार के प्रति किसानो व सामान्य नागरिको में भारी रोष है। देश की अर्थ व्यवस्था भारी मंदी के चलते गिर रही है, जिसकी वजह से महंगाई बड रही है। कच्चे तेलों की किंमतो में गिरावट के बावजुद भी वर्तमान सरकार ने आम नागरिको की जेबों पर मार डालकर पेट्रोल, डिजल की दरों को इन ६ वर्षो में कहां से कहां पहुंचा दिया है। इंधन महंगा होने से इसका सीधा असर ट्रांसपोर्टीग पर पड रहा है जिससे जिवनावश्यक वस्तुओं और जरुरी सामान की किंमतो पर बेतहाशा मार पड रही है। हम अपनी जवाबदारी समझकर जिले के विकास के लिये निरंतर कार्य कर रहे है, जनता को भी जनप्रतिनिधी का चयन करते समय अपनी जवाबदारी समझने की आज आवश्यकता है।

बेला में आयोजित जनसंवाद व कार्यकर्ता सम्मेलन कार्यक्रम में सांसद श्री प्रफुल पटेल के साथ सर्वश्री जिलाध्यक्ष नानाभाऊ पंचबुध्दे, आमदार राजुभाऊ कोरेमोरे, माजी खासदार मधुकरजी कुकडे, धनंजय दलाल, सुनिल फुंडे, रामलाल चौधरी, सरिता मदनकर, जया यशवंत सोनकुसरे, नरेंद्र झंझाड, यशवंत सोनकुसरे, जिवनचंद्र निर्वाण, मार्कंड तितिरमारे, अश्विन बांगडकर, सोनु खोब्रागडे, किरण वाघमारे, बंडू चेटूले, भगवान वाभरे, चौतराम सेलोकर, सुनिल इलमे, श्रावण चेटूले, तुकाराम चेटूले, विनोद नागपुरे, रत्नमाला चेटूले सहित बडी संख्या में परिसर के ग्रामीण उपस्थित थे।

कास्ट्राईब कर्मचारियों की कार्यकारिणी का गठन

वासनिक बने जिलाध्यक्ष

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव- कास्ट्राईब कर्मचारियों की हुई सभा में कार्यकारिणी का गठन किया गया। सतीश बंसोड़ पूर्व जिलाध्यक्ष की उपस्थिति में ओमप्रकाश वासनिक जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में १८ दिसंबर को समता संग्राम परिषद कार्यालय गोंदिया में शाखा की नई कार्यकारिणी को लेकर बैठक की गई। इस अवसर पर कास्ट्राईब कर्मचारी महासंघ के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश वासनिक ने गोंदिया तहसील के नव नियुक्त जिला पदाधिकारियों को आदेश दिए। जिला कार्यकारिणी में विभिन्न विभागों का प्रतिनिधित्व किया गया। महासंघ के कार्य और महत्व के बारे में पदाधिकारियों का मार्गदर्शन किया व सदस्य पंजीकरण शुरु कर दिया गया है। विभिन्न विभागों के प्रश्नों और समस्याओं को हल करने के लिए जल्द ही संबंधित विभागों को पत्र भेजे जाएंगे। यह बताया गया कि प्रत्येक तहसील से संपर्क करके नव नियुक्त जिला पदाधिकारियों को नियुक्ति आदेश दिया जाएगा। इस अवसर पर कास्ट्राईब शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष संजय उके, कस्तूर कर्मचारी महासंघ के नवनियुक्त पदाधिकारी जिला महामंत्री प्रवीण गजभिए, जिला उपाध्यक्ष धर्मशिल रामटेके, जिला महासचिव अजय कोठेवार, जिला संगठक अविनाश गणवीर, जिला संगठक राउत आदि उपस्थित थे।

५० शाला बाह्य बालकों का स्कूल में प्रवेश

गोंदिया- प्राथमिक शिक्षा से कोई भी बालक वंचित न रहे इस हेतु जिले के शिक्षा विभाग द्वारा ९ से ११ दिसंबर के दौरान मूहिम के माध्यम से ५० शाला बाह्य बालकों की खोज की गई थी तथा इन सभी बालकों को शालाओं में दाखिल कर शिक्षा प्रवाह जोड़ने का अतुलनीय कार्य शिक्षा विभाग की ओर से किया गया। दाखिला तो मिली। लेकिन कोविड-१९ के चलते प्राथमिक स्कूल बंद होने से स्कूल शुरु होने का इंतजार उन बालकों को भी है जो कभी स्कूल नहीं गए। शिक्षा विभाग से इस अभिनव उपक्रम से अनेक बालकों के जीवन सुखमय होने की आशा जागी है। प्राथमिक विभाग के शिक्षाधिकारी राजकुमार हिवारे के मार्गदर्शन तथा कुलदीपिका बोरकर के नेतृत्व में एक गांव एक बाल रक्षक मुहिम के तहत ३ दिन शाला बाह्य बालकों की खोज की गई। जिसके लिए हर गांव में बाल रक्षकों की नियुक्ति की गई है। उक्त बाल रक्षकों के माध्यम से ३ दिनों में ५० बालक मिले। जिन्हें अब शिक्षा का अधिकार प्राप्त हुआ है। मूहिम के दौरान आमगांव तहसील में १३, अर्जुनी मोरगांव १, देवरी ३, गोंदिया ७, गोरगांव तथा सालेकसा में १६ बालक पाए गए थे। इन सभी बालकों को स्कूलों में दाखिला देकर शिक्षा के प्रवाह से जोड़ने के कार्य शिक्षा विभाग ने किया है। कोरोना के चलते प्राथमिक शालाएं बंद है, लेकिन शालाओं में प्रवेश मिलने से स्कूल जाने के लिए बालक स्कूल शुरु होने का इंतजार कर रहे है।

अधिकार दिलाने कार्यरत

मूहिम के दौरान ५० शाला बाह्य बालक पाए गए थे। जिन्हें स्कूलों में प्रवेश दिया गया। प्राथमिक शाला शुरु करने का फैसला नहीं मिलने से शालाएं बंद है। हर वंचित बालक को शिक्षा का अधिकार दिलाने के लिए शिक्षा विभाग कार्यरत है।

-राजकुमार हिवारे
शिक्षाधिकारी (प्राथमिक) गोंदिया

ग्राम पंचायत चुनाव हेतु अधिकारियों की नियुक्ती

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव- अर्जुनी मोरगांव तहसील में २९ ग्राम पंचायतों के लिए चुनावी कार्यक्रम की घोषणा की गई है। जिसमें चुनवा निर्णय अधिकारी तथा तहसीलदार विनोद मेश्राम ने उक्त चुनाव हेतु १० चुनाव निर्णय अधिकारी तथा १० सहायक चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति की है। अर्जुनी मोरगांव तहसील की ७० ग्राम पंचायतों मे से २९ ग्राम पंचायतों के ९७ प्रभागों में २६१ ग्राम पंचायत सदस्यों की नियुक्ती हेतु १५ जनवरी को चुनाव का आयोजन किया जाएगा। उसी प्रकार २३ दिसंबर से उम्मीद्वारों द्वारा आवेदन भरने की प्रक्रिया शुरु की जाएगी। उक्त चुनाव हेतु अधिकारियों की नियुक्ती की गई है। जिसके अंतर्गत महागांव तथा बोंडगांव देवी ग्राम पंचायत के चुनाव हेतु चुनाव अधिकारी के रुप में पंचायत समिती के विस्तार अधिकारी बी.के. बंडगर व सहायक चुनाव निर्णय अधिकारी पंचायत समिति वरिष्ठ सहायक एन.आर. राठौड को नियुक्त किया गया तथा ईसापुर बोंडगांव सुरुबन केसोरी ग्राम पंचायत के लिए शाखा अभियंता इटियाडोह सिंचाई विभाग पी.ए. डहाणे व सहायक चुनाव निर्णय अधिकारी पंचायत समिति कनिष्ठ सहायक सीएम चौधरी व माहूरकुडा, तिड़का ग्राम पंचायत के लिए चुनाव निर्णय अधिकारी पंचायत समिति विस्तार अधिकारी बी.के. रामटेके व सहायक निर्णय अधिकारी लपा जिप के वरिष्ठ लिपिक आर.व्ही. शेंडे तथा झासीनगर व झासीनगर, परसोडी रयत पवनी धाबे ग्राम पंचायत के लिए चुनाव निर्णय अधिकारी पंचायत समिति विस्तार अधिकारी आर.टी. निखारे व सहायक चुनाव निर्णयक अधिकारी बालविकास प्रकल्प कार्यालय के कनिष्ठ सहायक के.के. पंचभाई व देवलगांव, सावरटोला, बोरटोला ग्राम पंचायत के लिए इटियाडोह सिंचाई विभाग के कनिष्ठ अभियंता एच.डी. लंजे व सहायक चुनाव निर्णय अधिकारी सहायक निबंधक कार्यालय के पराग रवतकर उसी प्रकार बाराभाटी, कुभारीटोला, कवठा ग्राम पंचायत के लिए चुनाव निर्णय अधिकारी पंचायत समिति शिक्षण विस्तार अधिकारी ऐ.एस बरईकर तथा सहायक चुनाव निर्णय अधिकारी पंचायत समिति कार्यालय के एस.आर. लिचडे व मांडोखाल येगांव हेतु ग्राम पंचायत के लिए चुनवा निर्णय अधिकारी साबा जिप कनिष्ठ अभियंता के.पी. सुर्यवंशी तथा सहायक चुनाच निर्णय अधिकारी पंचायत समिति वरिष्ठ सहायक टी.डी. गेडाम व कोरंबी टोला, बोरी इडदा ग्राम पंचायत के लिए चुनाव अधिकारी के रुप में साबा जिप के कनिष्ठ अभियंता पी. व्ही. राऊत तथा सहायक चुनाव निर्णय अधिकारी रेशीम कार्यालय के सी.आर. वासनिक व करांडली, कन्नडगांव, परसटोला ग्राम पंचायत के लिए चुनाव निर्णय अधिकारी पंचायत समिति के सहायक अभियंता एस.एच. शहारे व सहायक चुनाव निर्णय अधिकारी तहसील कृषी कार्यालय वरिष्ठ लिपिक डी.ए. नागरकर व भरनोली दिनकर नगर, सिलेझरी ग्राम पंचायत हेतु चुनाव निर्णय अधिकारी के रुप में कृषि अधिकारी डी.टी. शिंदे व सहायक चुनाव निर्णय अधिकारी तहसील कृषि कार्यालय के कनिष्ठ लिपिक आर.एम. चौधरी की नियुक्ती की गई है। उसी प्रकार चुनाव हेतु उम्मीदवरों के आवेदन जिला परिषद कनिष्ठ महाविद्यालय में स्वीकार किए जाएंगे ऐसी जानकारी चुनाव नायब तहसीलदार के.एन वाढई द्वारा दी गई है।

जीपीएल क्रिकेट लीग हेतु नि:शुल्क प्रशिक्षण

गोंदिया- क्रिकेट खेल को प्रोत्साहित करने के लिए गोंदिया प्रीमियर लीग जीपीएल का आयोजन किया जा रहा है। इसमें भाग लेने हेतु इच्छुक खिलाड़ियों के लिए सिलेक्शन ट्रायल २६ दिसंबर को स्थानिय इंदिरा गांधी स्टेडियम में दोपहर २ बजे आयोजित किया जाएगा। आयु वर्ग १३ वर्ष से कम, १६ वर्ष से कम,१९ वर्ष से कम व ओपन केटेगिरी है। चयन हुए खिलाड़ियों का समावेश विभिन्न फैन्चाइसी टीम में किया जाएगा तथा जीपीएल लीग खेली जाएगी। इस हेतु एक आकर्षक पुरस्कार की भी घोषणा की गई है। साथ ही चयन हुए निशुल्क कोचिंग दी जाएगी। इच्छुक खिलाड़ी समय पर इंदिरा गांधी स्टेडियम में उपस्थित रहे। अधिक जानकारी के लिए मकुश बारई, पुष्पक जसानी, राजु लिमये, अजय गौर, अनिल सहारे, नरसिंग गहरवार से संपर्क करें।

सक्षिप्त समाचार

लोहे की पट्टी चोरी

डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले चुलबंध में कोल्हापुरी बांध में खुली जगह में लगाने हेतु लाई गई लोहे की २२ नग पट्टी किन्ही अज्ञात चोरो ने चुरा ली। जिसकी कीमत १ लाख १० हजार रुपए बताई जा रही है। फर्यादी देवाजी मारोती बनकर (६८) निवासी फुलेनगर वार्ड वौद्धनगर की शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरो के खिलाफ धारा ३७९ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

तालाब में डुबने से मौत

सालेकसा पुलिस थानांतर्गत राखडीटोला निंबा निवासी झुलनबाई संजू सयाम (३८) नामक महिला अपने पिता के यहां रह रही थी। उक्त महिला तालाब में कपड़े धोने गई थी। इसी दौरान उसे मिरगी का दौरा पड़ने से वह बेहोश होकर तालाब के पानी में डुब गई। जिसके चलते महिला की मौत हो गई। शिकायत के आधार पर धारा १७४ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

लकड़ी रखने को लेकर मारपीट

सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम ब्राम्हणटोला में आरोपी ने फर्यादी पुरुषोत्तम गन्नु दशरिया (४९) की गली की दीवार लकड़ी तथा अन्य सामान रखा था। जिसके चलते फर्यादी ने आरोपी से कहा यह सामान यहां क्यों रखा है, इससे मेरे घर में चुहे आ रहे है। जिसपर गुस्साए आरोपी ने फर्यादी के सुटर का कॉलर पकड़ उसका सर दिवार से टकरा दिया जिसके चलते फर्यादी गंभीर रुप से घायल हो गया। डॉक्टरी अहवाल तथा फर्यादी की शिकायत के आधार पर धारा ३२४,५०४ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

फॉर्म हाऊस से बकरीयों की चोरी

आमगांव पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम किंडगीपार में किन्ही अज्ञात चोरो ने एक फॉर्म हाऊस को निसाना बनाते हुए वहां से बकरे-बकरी व मेमने को लेकर फरार हो गए। पुलिस सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम के ही फर्यादी मेघराज कोदुराव पाउलझगडे का फॉर्म हाऊस शिवनी रोड़ पर है तथा फर्यादी मराठवाड़ा पैकेज स्किम के माध्यम से बकरी पालन कर रहा था तथा बकरियों को फॉर्म हाऊस में बंधकर गया था। इसी दौरान किन्ही अज्ञात आरोपियों ने सुनेपन का लाभ लेकन उसके फॉर्म हाऊस से २२ बकरी, २ बकरे, ९ मेमनों को लेकर फरार हो गए। जिसके चलते फर्यादी को ६८ हजार रुपए का आर्थिक नुकसान हुआ। शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरो के खिलाफ आमगांव थाने में धारा ४६१,३८० के तहत मामला दर्ज किया है।

सर्पदंश से किसान की मौत

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव- निमगांव में खेती काम कर रहे किसान शरद घनश्याम खोब्रागडे (४२) को ७ दिसंबर के दौरान एक जहरीले सांप ने डस दिया था। जिसके चलते उसका उपचार जिला चिकित्सालय में चल रहा था। जहां उसकी १६ दिसंबर को मौत हो गई।

ऑनलाइन ठगी का बनाया शिकार

तिरोड़ा पुलिस थाना अंतर्गत ऑनलाईन ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार फर्यादी राजकुमार जयराम रहांगडाले (५७) निवासी मेंहदीपुर के मोबाइल पर ८४५९८१९२३१ नंबर से फोन आया तथा आरोपी ने बैंक ऑफ बडोदा से बोल रहा हुं तथा आपका एटीएम कार्ड कुछ दिनों के पश्चात बंद होनेवाला है। एटीएम बंद करना है या शुरु रखना है ऐसा बोल फर्यादी से १६ अंक का एटीएम नंबर हासिल किया तथा एटीएम के पीछे स्थित ३ नंबर की भी जानकारी लेते हुए फर्यादी के खाते से ४३ हजार रुपए निकाल ऑनलाईन ठगी का शिकार बनाया है। शिकायत के आधार पर धारा ४२०, ६६ (ड) माहिती तंत्रज्ञान के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच पुलिसकर्मी पारधी कर रहे है।

दहेज की मांग : ६ पर मामला दर्ज

रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत राजभोज कॉलोनी गोंदिया निवासी फर्यादी रोहीणी वामनराव लिल्हारे (२७) का विवाह तय होने के बाद २७ दिसंबर २०२० को विवाह की तारीख निश्चित की गई। जिसके बाद आरोपी ने फर्यादी के पिता से विवाह मे एक्टिवा गाड़ी तथा ५ लाख रुपए नगद देने की मांग की तथा मांग पुरी नहीं किए जाने पर संबंध तोड़ने की धमकी दी। फर्यादी के पिता द्वारा मांग पुरी नहीं किए जाने पर आरोपियों ने ने सादी से इंकार कर दिया। फर्यादी की शिकायत के आधार पति सहित ६ लोगो पर दहेज प्रतिबंधक कानून की धारा ४ के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच पुलिस नायक पठान कर रहे है।

मासूम बेटी की हत्या

पत्नी के चरित्र पर संदेह कर उसकी पिटाई करते समय क्रोध में डुबे पति ने २ महिने की मासूम बच्ची को जमीन में पटक दिया। जिससे उसकी मृत्यु हो गई। आरोपी भावेश केशव राउत (३४) को हिरासत में लेकर न्यायालय में पेश किया गया तथा उसे एक दिन की पुलिस हिरासत दी गई। जानकारी के अनुसार आरोपी पति हमेशा पत्नी निराशा राउत के चरित्र पर हमेशा संदेह करता रहता था तथा घटना वाली शाम पत्नी की पिटाई करते हुए आरोपी ने अपनी मासूम बेटी को जमीन में पटक दिया। जिससे उसकी मृत्यु हो गई।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

किसानों पर सिंचाई के १७.०४ करोड़ बकाया

गोंदिया- गोंदिया जिले के साथ ही भंडारा, गढ़चिरोली तथा मध्यप्रदेश राज्य के बालाघाट जिले के हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि हेतु पानी देनेवाले बाघ-ईटियाडोह प्रकल्प के लगभग ३६ हजार किसानों पर १७ करोड़ ४ लाख ८७ हजार रुपए की राशि बकाया है तथा कुछ किसान ऐसे भी है, जिन्होंने प्रकल्प के निर्माण से लेकर अब तक कभी भी पैसा जमा नहीं किया जिसके चलते बाघ-ईटियाडोह के विकास कार्य में बाधा पहुंच रही है। कृषि कर्ज माफी की तर्ज पर अब जल पर माफी योजना की आवश्यकता है, नहीं तो किसान कर्ज तले ही दबा रहेंगा। सिंचाई विभाग से मिली जानकारी के अनुसार वर्ष १९७१-७२ में बाघ ईटियाडोह प्रकल्प शुरु हुए तब से ही पानी टैक्स की बकाया राशि बढ़ती जा रही है। बाघ प्रकल्प के अंतर्गत लगभग १७ हजार किसानों पर ९ करोड़ २ लाख ६९ हजार रुपए तथा ईटियाडोह प्रकल्प के अंतर्गत लगभग १९ हजार किसानों पर ७ करोड़ ८० लाख १८ हजार रुपए की राशि बकाया है। उल्लेखनिय है कि शासन की ओर से उक्त टैक्स माफ करने का आश्वासन किसानों को दिया जाता है। जिसके चलते आज नही तो कल टैक्स माफ होंगा यह सोचकर कई किसानों द्वारा पानी टैक्स नहीं भरा जाता। उसी प्रकार टैक्स वसूली नहीं होने का सबसे बड़ा कारण कर्मचारियों की कमी है। एक ही कर्मचारी को सिंचाई विभाग के पानी टैक्स की वसूली करने हेतु ४० से ५० गांवो की जवाबदारी दी जाती है तथा वसूली के साथ अन्य कार्य का बोझ भी बढ़ जाता है। जिसका सीधा असर टैक्स वसूली पर होता है।

किसान सहयोग करें

किसानों के हित का रक्षण सिंचाई विभाग कर रहा है। सिंचाई के कारण किसानों को आर्थिक उन्नती का मार्ग मिलता है। कर्मचारियों की राह न देखते हुए किसान जल कर भरने को प्राथमिकता देते हुए सिंचाई विभाग को सहयोग प्रदान करें।

-डी.बी.भिवगडे, प्र.कार्य.अभियंता
बाघ-ईटियाडोह प्रकल्प, गोंदिया

अवैद्य शराब अड्डों पर पुलिस का छापा

गोंदिया- तिरोड़ा शहर के संतरविदास वार्ड में कुछ लोगो द्वारा महुआ शराब बेचे जाने व इसका सड़वा तैयार किए जाने की गुप्त जानकारी तिरोड़ा पुलिस को मिली। जिसके आधार पर १९ दिसंबर की सुबह १० बजे पुलिस द्वारा ८ पथक तैयार कर ८ अवैद्य शराब अड्डों पर छापा मारा जिसमें महुआ फुल दारु की दो भट्टीया व सामग्री २४५०, १०० लिटर महुआ दारु १०,००० तथा ११७५ प्लॉस्टीक बोरी में १० किलो के हिसाब ११७५० किलो रु ९,४०,००० तथा महुआ फुल का सड़ावा समेत कुल ९,५२,४५० का माल जब्त कर घटनास्थल में नाश किया तथा दारुबंदी कानून अंतर्गत मिलन कुवरदास बिंझाडे, मनिषा धिरज बरीयेकर, वनमाला भिमराव झाडे, कविता सेवकराम तांडेकर, मायाबाई शामराव झाडे, सुरज प्रकाश बरीयेकर, रुपवंता ईश्वर बरीयेकर, आशा राजेंद्र भांडेकर सभी आरोपी निवासी संत रविदास वार्ड तिरोड़ा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। उक्त कार्यवाई उपविभागिय पुलिस

अधिकारी नितीन यादव के मार्गदर्शन में पुलिस निरिक्षक योगेश पारधी, पुलिसकर्मी हनुवते, अशोक केंद्रे, पुलिस हवलदार दामले, साठवणे, पुलिस नायक थेर, सव्वालाखे, बरवैय्या, बर्वे, श्रीरामे, बांते, मडावी, बिसेन, अंबादे भांडाकर, लोंढे, महिला पुलिस नायक मडावी, तिरीले द्वारा की गई।

अंतरजातिय विवाह करने पर, १ लाख का जुर्माना

समाज के लोगो ने किया बहिष्कार

गोंदिया- गोंदिया मुख्यालय से १५ किमी की दुरी पर स्थित गंगाझरी पुलिस थानांतर्गत आनेवाले ग्राम जरताल में एक युवक ने दुसरे समाज की युवती के साथ विवाह किया जिस पर समाज द्वारा पंचायत बुलाई गई तथा पंचायत की बात नहीं मानने पर पीड़ित युगल को समाज से बहिष्कार करने का फैसला सुनाया गया। इतना ही नहीं बीचबचाव करने गए युवक की पिटाई कर दी गई।

इस संदर्भ में गंगाझरी पुलिस थाने में ३ युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जिसे देखते हुए कहा जा रहा है कि २१ वी सदी में भी इस तरह के बहिष्कार की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। विशेष यह है कि राज्य के गृहमंत्री व जिले के पालकमंत्री के जिले में उक्त घटना घटित हुई है। जानकारी के अनुसार गोंदिया तहसील अंतर्गत गंगाझरी पुलिस थाना आता है। इस थाने अंतर्गत जरताल ग्राम है। इस ग्राम के गुलाब रमेश अजीतवार नामक युवक ने नागपुर में दूसरे समाज की युवती के साथ विवाह रचाया। यह विवाह १७ अक्टुबर २०२० को संपन्न हुआ। विवाह के बाद ९ दिसंबर को युगल अपने घर लौटा। उसके बाद १५ दिसंबर को समाज के लोगो ने इस मामले को लेकर पंचायत बिठाई जिसमें कहा गया कि दुसरे समाज की युवती के साथ विवाह करने पर १ लाख रुपए का जुर्माना भरना होंगा। जिसपर गुलाब अजीतवार ने कहा कि मैं बहुत गरीब हुं इतने पैसे नहीं भर सकता। लेकिन मुझे समाज में रहना है। जिसके पक्ष में गुलाब के मित्र मनोज अजीतवार ने कहा कि जो समाज में चल रहा है। उसके हिसाब से पीड़ित से ५० रुपए जुर्माना लिया जाए। जिसपर समाज के कुछ युवक भड़क गए तथा बात मारपीट तक पहुंच गई। पंचायत का जुर्माना नहीं भरने पर पीड़ित युगल के परिवार को समाज से बहिष्कार किया गया है। यहां तक की उनके बच्चों को घर में नहीं आने दिया जा रहा है। वहीं कोई भी व्यक्ति पीड़ित परिवार के घर का पानी भी नहीं पी रहा है। इस मामले की शिकायत पीड़ित गुलाब के मित्र मनोज अजितवार ने गंगाझरी थाने में की जिसके आधार पर ३ अरोपियों के खिलाफ धारा ३२४, ५०४, ३४ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

शिकायत पर मामला दर्ज

गुलाब अजीतवार ने दुसरे समाज की युवती के साथ विवाह कर उसे घर लाया। इस बात को लेकर गुलाब के समाज वालों ने पंचायत बुलाई और कहा कि ५० हजार रुपए से १ लाख रुपए तक जुर्माना भरना पड़ेगा। जिस पर गुलाब के मित्र मनोज ने कहा कि गुलाब बहुत ही गरीब है तथा उतने पैसे नही दे सकता। जिसपर तीन आरोपियों ने उसकी पिटाइ कर दी। मनोज की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया व मामले की जांच शुरु कर दी गई है।

-डी.पी.जगदाले,
सहायक पुलिस निरीक्षक, गंगाझरी

जिलाधीकारी ने वन अधिकार कानून की समीक्षा कर दिए निर्देश

गोंदिया- अनुसूचित जनजाति व अन्य पारंपारिक वन निवासी (वन हक की मान्यता) अधिनियम, २००६ व नियम २००८ संशोधित नियम २०१२ अंतर्गत जिलाधिकारी दीपक कुमार मीणा की अध्यक्षता में १७ दिसंबर को दोपहर ३ से ५ बजे तक तहसील कार्यालय सड़क अर्जुनी के सभागृह में कार्यशाला व समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उक्त कार्यशाला व समीक्षा बैठक गोंदिया के जिलाधिकारी ने व्यक्तिगत व सामूहिक प्रलंबित प्रकरण के संदर्भ में समीक्षा ली। वहीं अर्जुनी मोरगांव उपविभाग अंतर्गत आनेवाले वन से सटे गांवो की जानकारी ली। उसी प्रकार जिन गांवो में सामूहिक दावों के प्रस्ताव/दावा तैयार नहीं हुए हैं तो ऐसे गांवो की ग्राम पंचायत में भेंट देकर नए दावे तैयार करने के निर्देश दिए। लंबित सामूहिक दावे हल करने व मंजूर दावेदारों को भूमि अभिलेख कार्यालय से मोजमाप कर समय पर दावेदारों को सातबारा वितरित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिलाधिकारी मीना के साथ उपवन संरक्षक कुलराज सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप डांगे, निवासी उपजिलाधिकरी स्मिता बेलपत्रे, उपविभागीय अधिकारी शिल्पा सोनाले, तहसीलदार विनोद मेश्राम, उषा चौधरी, राजस्व व वन विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

क्या आप परेशान हैं?

शादी से पहले, शादी के बाद की कमजोरी
उम्र की अधिकता से सेक्स में कमजोरी
नि:संतान, स्वप्नदोष, इंद्रिय का छोटापन
टेढ़ापन, शिथिलता, शुगर से आयी कमजोरी
आदि समस्याओं के ईलाज के लिए...
डॉ.सुशील गेडाम
बी.ए.एम.एस., एस.एच.सी.
धनवंतरी आयुर्वेदिक दवाखाना
शॉप नं.31, राजलक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, पाल चौक, गोंदिया
हर रविवार सुबह 11 से 4 बजे
संपर्क क्र.: 7879453857, 8964889608

कोटपा कानून २००३ अंतर्गत

तंबाकु विक्रेताओं के खिलाफ कड़ी कार्यवाई

गोंदिया- जिले में तंबाकु तथा तंबाकुजन्य उत्पादों का बढ़ता उपयोग व प्रतिकूल प्रभावों को देखते हुए १६ और १७ दिसंबर को गंगाझरी और रावणवाड़ी पुलिस थानों के तहत आने वाले गांवों में तंबाकु विक्रेताओं पर कोटा अधिनियम २००३ के तहत स्वास्थ्य और पुलिस विभाग के सहयोग से कार्यवाई की गई। कोटा अधिनियम २००३ की धारा ४ के तहत सार्वजनिक क्षेत्र में तंबाकु और तंबाकु उत्पाद सेक्शन ५ के अनुसार उपभोग पर प्रतिबंध, तंबाकू और तंबाकू उत्पादों के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष विज्ञापन पर प्रतिबंध धारा ६ (ए) के तहत नाबालिग को तंबाकु उत्पाद बेचना दंडनीय अपराध है और धारा ६ (बी) के तहत शिक्षण संस्थानों के परिसर में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध और साथ ही साथ धारा ७ के अनुसार तंबाकु उत्पादों के वेस्टन पर खतरे की चेतावनी देना अनिवार्य है। सार्वजनिक स्थानों जैसे- रेलवे स्टेशनों, चिकित्सालयों, स्कूलों, कॉलेजों, बस स्टैंडों, सरकारी/गैर सरकारी कार्यालयों आदि पर स्कूल और चिकित्सालय के तंबाकु और तम्बाकू उत्पादों जैसे खर्रा/ गुटखा /१०० मीटर के दायरे में मसाला बेचते पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। छापे के दौरान धारा ४, धारा ५ और धारा ६ (ए) के तहत १६ व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की गई तथा उनके पास से २,४०० रुपये का जुर्माना वसूला गया। उक्त कार्यवाई जिला सर्जन डॉ. अमरीश मोहबे के मार्गदर्शन में जिला मौखिक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अनिल आटे, सामाजिक कार्यकर्ता संध्या शंभरकर, मनोवैज्ञानिक सुरेखा मेश्राम, तारकेश उके और पुलिस नायक सुशील गजभिये, सचिन बघेल, शेखर पटले और राकेश भूरे द्वारा की गई है।

विधायक रहांगडाले के नेतृत्व में किसानों का धरणा आंदोलन

संवाददाता तिरोड़ा- राज्य में महाविकास आघाडी सरकार की स्थापना के बाद से ही किसान और नागरिकों व ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं सरकार द्वारा किसानों के हित में फैसला नहीं लिए जाने तथा मांग पुरी नहीं होने से तिरोड़ा, गोरेगांव विधानसभा के विधायक विजय रहांगडाले के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी व किसानों द्वारा २१ दिसंबर को दोपहर १२ बजे तहसील कार्यालय तिरोड़ा के सामने धरणा आंदोलन दिया जाएगा। जिसमें प्रमुख रुप से धान उत्पादक किसान के आधारभूत धान खरीदी केंद्र में धान खरीदी न करने, समय पर सातबारा उपलब्ध न करना, शासकी धान खरीदी केंद्र पर बारादाना उपलब्ध न होना, जिन किसानों को मावा व तुडतुडा रोग से नुकसान नहीं हुआ ऐसे किसानों धान विक्री की मर्यादा १३ क्विंटल से ३३ क्विंटल धान खरीदना, धान खरीदने हेतु ऑनलाईन प्रक्रिया की जवाबदारी धान खरीदी केंद्रो पर होने से ऑनलाइन प्रक्रिया के लिए १५ से २० दिनों का इंतजार करना पड़ता है। ऑनलाइन प्रक्रिया शासन की ओर से की जाए जिससे किसानों का समय बचे व उनका धान समय पर धान खरीदी केंद्रो पर बिक्री हेतु आए, कोरोना महामारी के दौरान बिजली बिल में छुट देना आदि मांगे है। जिसे लेकर विधायक विजय रहांगडाले के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों द्वारा तहसील कार्यालय तिरोड़ा के सामने धरणा आंदोलन किया जाएगा।

महिला रेल्वे कर्मचारी से छेडखानी कर मारपीट

गोंदिया- दपूमरे के अर्जुनी मोरगांव रेल्वे स्टेशन पर अपनी डियुटी पर कार्यरत महिला रेलवे कर्मचारी के साथ छेड़खानी कर मारपीट किए जाने का मामला १९ दिसंबर को सामने आया। वहीं पुलिस ने उक्त मामले के आरोपी लोकेश अशोक लाडे (३२) को २४ घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार दपूमरे अर्जुनी मोरगांव में रेलवे महिला कर्मचारी ड्यिूटी कर रही थी। इसी दौरान ३० वर्षीय युवक ने रेलवे कार्यायल में सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए महिला रेलवे कर्मचारी का विनयभंग किया तथा उसकी पिटाई भी कर दी। शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ संबंधित पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया तथा उसकी तलाश हेतु पुलिस जुट गई। आखिरकार पुलिस ने २४ घंटे के अंदर उक्त आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी भंडारा जिले पुलिस स्टेशन लाखांदुर अंतर्गत आनेवाले मांडल ग्राम में छिपा हुआ था। जिसे पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया। फर्यादी के शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ धारा ३५३, ३५४, ४४८, ३२३ के तहत मामला दर्ज किया गया। उपरोक्त कार्यवाई पुलिस अधीक्षक सो.एम. राजकुमार के मार्गदर्शन में उपविभागिय पुलिस अधिकारी एस.वी.शिंदे मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक अनिता खेडकर, पुलिस उपनिरिक्षक प्रवीण मीमटे, पुलिस हवलदार किशोर ईश्वर, नंदा माने, चंद्रकांत भोयर, चंदकिशोर नारनवरे, ओमप्रकाश सेलोटे, अखिलेश राय व मनोज गौतम द्वारा की गई।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।